Chapter 05 पुष्पीय पादपों की शारीरिकी (ANATOMY OF FLOWERING PLANTS)

TOPIC WISE QUESTIONS

पादप ऊत्तक, ऊत्तक तंत्र

Q.1 ऊत्तक कोशिकाओं का वह समूह है जो :

(1) उत्पत्ति में समान लेकिन कार्य और रूप में असमान

(2) कार्य, रूप और उत्पत्ति में असमान

(3) उत्पत्ति में असमान, लेकिन कार्य और रूप में समान

(4) कार्य, रूप और उत्पत्ति में समान

Q.2 विभज्योत्तक कोशिकाओं का समूह है जिसमें :

(1) पादपों को मजबूती प्रदान करने की क्षमता होती है।

(2) भोजन संग्रहित होता है।

(3) लगातार विभाजन द्वारा नयी कोशिकाएँ बनती हैं।

(4) कोशिकाओं का वह समूह जो लम्बाई और मजबूती देती है।

Q.3 शीर्षस्थ विभज्योतक का स्थल है–

(1) मूल और प्ररोह के पार्श्व भाग

(2) संवहनी पूलो के बीच में

(3) मूल और प्ररोह के शीर्ष पर

(4) मूल और प्ररोह के शीर्ष और परिपक्व क्षेत्रों के बीच

Q.4 मूल से अधिकतम वृद्धि पायी जाती है :

(1) इसके सिरे पर (2) प्रकाश की तरफ

(3) शीर्ष के पीछे (4) शीर्ष की तरफ

Q.5 कौनसा एक पूर्णविभेदित पादप ऊत्तक है :

(1) शीर्षस्थ विभज्योत्तक (2) एधा

(3) मृदूतक (4) उपरोक्त सभी

Q.6 कौनसा एक प्राथमिक विभज्योत्तक है :

(1) अन्तःपूलीय एधा

(2) कॉर्क एधा

(3) मूलों में संवहन एधा

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.7 द्वितीयक विभज्योत्तक उत्पन्न होता है :

(1) प्राक् विभज्योत्तक से (2) प्राथमिक विभज्योत्तक से

(3) स्थायी ऊत्तक (4) स्त्रावी ऊत्तक से

Q.8 निम्न में से कौनसा द्वितीयक विभज्योत्तक है :

(1) प्रोटोडर्म (2) एधा

(3) कॉर्क एधा (4) उपरोक्त सभी

Q.9 वह ऊत्तक जिसमें विशेष मोटी भित्ति नहीं होती, वह है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोंत्तक

(3) रेशे (4) दृढ कोशिकाएँ

Q.10 कौनसा ऊत्तक संचयी अंग का अधिकांश भाग बनाता है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोंत्तक

(3) दृढ़ोत्तक (4) वायुत्तक

Q.11 किसी फल का गूदा मुख्यतः बना होता है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोंत्तक

(3) दृढ कोशिकाएँ (4) विभज्योत्तक

Q.12 एक साधारण यांत्रिक ऊत्तक जिसमें लिग्निन नहीं पाया जाता है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोंत्तक

(3) दृढ़ोत्तक (4) हरित ऊत्तक

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Q.13 स्थूलकोणोंत्तक, दृढ़ोत्तक से भिन्न है :

(1) परिपक्वता पर जीवद्रव्य की उपस्थिति

(2) मोटी भित्तियों की उपस्थिति

(3) चौड़ी गुहिका की उपस्थिति

(4) विभज्योत्तकी प्रकृति

Q.14 प्ररोह शीर्ष को कौन सुरक्षा देता है :

(1) मूल गोप (2) स्तम्भ गोप

(3) गोपक (4) आद्य पर्ण

Q.15 कौनसा ऊत्तक मुड़ने व कर्तन के लिए तनन सामर्थ्य प्रदान करता है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोत्तक

(2) दृढ़ोत्तक (4) दृढ़ कोशिकाऐं

Q.16 कोशिका भित्ति की दृढ़ोत्तक कोशिकाओं में अधिक प्रतिशत मात्रा होती है :

(1) सेल्युलोज की (2) पेक्टिन की

(3) लिग्निन की (4) सिलिका की

Q.17 रेशा (सबसे लम्बी पादप कोशिका है) किस ऊत्तक से सम्बन्धित है :

(1) मृदूतक (2) स्थूलकोणोत्तक

(3) दृढ़ोत्तक (4) वायुत्तक

Q.18 सभी जाइलम तत्व परिपक्व होने पर मृत हो जाते है, सिवाय :

(1) वाहिकाऐं (2) वाहिनिकाऐं

(3) जाइलम मृदूतक (4) जाइलम तन्तु

Q.19 निम्न में सें कौनसी पादप कोशिकाओं में केन्द्रक और रिक्तिका नहीं होती है :

(1) एधा कोशिकायें (2) जाइलम वाहिकाएँ

(3) मूलरोम (4) सहकोशिकायें

Q.20 वाहिकाएँ, वाहिनिकाओं से भिन्न है :

(1) सजीव प्रकृति में

(2) एक कोशिका से बनती है।

(3) उर्ध्व कोशिकाओं की पंक्ति जिसमें बीच की भित्ति घुली होती है।

(4) क्योंकि ये पानी का संवहन करती है।

Q.21 आवृतबीजी का फ्लोएम टेरिडोफाइटा और अनावृत्तबीजी से भिन्न होता है :

(1) एन्जाइम की अनुपस्थिति में

(2) अंतः कोशिका की उपस्थिति में

(3) सहकोशिकाओं की उपस्थिति में

(4) इनमें से कोई नहीं।

Q.22 वह कोशिका जो क्रियात्मक रूप से चालनी नलिकाओं से सम्बन्धित होती है :

(1) फ्लोएम रेशे (2) फ्लोएम मृदूतक

(3) सह कोशिकाऐं (4) स्थूलकोणोत्तक

Q.23 एक परिपक्व चालनी नलिका, वाहिकाओं से अन्तर रखती है :

(1) क्रियात्मक केन्द्रक की अनुपस्थिति में

(2) लिग्निन युक्त भित्ति की अनुपस्थिति में

(3) लगभग मृत

(4) कोशिका द्रव्य के अभाव में

Q.24 जाइलम और फ्लोएम में क्रमशः वाहिकाओं और सहकोशिकाओं की उपस्थिति अभिलाक्षणिक गुण है :

(1) अनावृत्तबीजी (2) टेरिडोफाइट्स

(3) ऐन्जिओस्पर्म (4) ब्रायोफाइटा

Q.25 फ्लोएम मृदूतक अनुपस्थित होते है :

(1) द्विबीजपत्री तनों में (2) द्विबीजपत्री पत्ती में

(3) एकबीजपत्री तनों मे (4) द्विबीजपत्री मूलों में

Q.26 किसके निक्षेपण से स्थूलकोणोत्तक में स्थूलन बनते है:

(1) सेल्यूलोज (2) पेक्टिन

(3) लिग्निन (4) सुबेरिन

Q.27 जटिल ऊत्तक नहीं पाए जाते है :

(1) कुछ ब्रायोफाइट्स में

(2) टेरिडोफाइटा में

(3) सभी युग्मकोद्भिद में

(4) सभी स्पर्मेटोफाइटा में

Q.28 पादप शरीर में वाहिनिका का मुख्य कार्य है :

(1) रस चालन

(2) केवल खनिज लवण चालन

(3) रात को अधिक जल हास

(4) कार्बनिक पोषक का स्थानान्तरण

Q.29 जाइलम में वाहिका की उपस्थिति है :

(1) एक आदिम लक्षण

(2) एक अग्रगामी लक्षण

(3) एक अवशेषी लक्षण

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.30 पोषक रूपान्तरण के लिए चालनी नलिकाएं आदर्श अवयव है क्योंकि इनमें ।

(1) अन्तस्थ भित्तियां नहीं पाई जाती है

(2) परिवेशित गर्त पाए जाते है

(3) अधिक कोशिकाद्रव्य युक्त संकरी गुहा होती है।

(4) थोड़े परिधीय कोशिकाद्रव्य युक्त चौड़ी गुहा (lumen) होती है।

Q.31 जब जाइलम और फ्लोएम एक की त्रिज्या पर होते है तब संवहन पूल कहलाते है :

(1) अरीय (2) संयुक्त

(3) संकेन्द्री (4) बाह्य आद्विदारूक

Q.32 जब विभज्योतक ऊत्तक "एधा" संवहन पूल के अन्दर उपस्थित हो, तो संवहन पूल कहलाता है :

(1) संयुक्त (2) वर्धी

(3) अवर्धी (4) संपार्श्विक

Q.33 एक संवहन पूल जिसमें जाइलम के दोनों तरफ फ्लोएम रहता है और एधा की पट्टिका द्वारा पृथक रहता है, कहलाता है :

(1) संपार्श्विक व वर्धी (2) द्विसंपार्श्विक व वर्धी

(3) संकेन्द्री (4) द्विसंपार्श्विक व अवर्धी

Q.34 संकेन्द्री, पोषवाह केन्द्री संवहन पूल वह होते है जिनमें:

(1) केन्द्र में स्थित जाइलम चारों ओर से फ्लोएम से घिरा हुआ।

(2) केन्द्र में स्थित फ्लोएम चारों ओर से जाइलम से घिरा हुआ

(3) फ्लोएम केवल अन्दर की तरफ जाइलम से घिरा

(4) जाइलम केवल बाहर की तरफ फ्लोएम से घिरा

Q.35 तने और मूल से आधारभूत अन्तर यह है कि तना :

(1) अन्तः आदिदारूक (2) बाह्य आदिदारूक

(3) मध्यादिदारूक (4) बहुआदिदारूक

Q.36 विभज्योत्तक की विशेषता है–

(1) समव्यासीय कोशिका युक्त सेल्लूलोज पतली भित्ति

(2) अन्तर कोशिकीय अवकाश अनुपस्थित और रिक्तिका

(3) संग्रहित भोजन का अभाव एवं लवक

(4) उपरोक्त सभी

Q.37 निम्नलिखित में से कौन सा कथन द्वितीयक विभज्योतक के लिए गलत है?

(1) वे चारागाहों द्वारा क्षतिग्रस्त घास के हिस्सों को पुनरूउत्पन्न करते हैं

(2) वे बेलनाकार विभज्योतक हैं

(3) वे मूलो और प्ररोहो के परिपक्व क्षेत्रों में होते हैं

(4) वे पादप के जीवन में प्राथमिक विभज्योतक की तुलना में बाद में दिखाई देते हैं।

Q.38 ऊतक हैः –

(1) कोशिकाओं का समूह जो उत्पत्ति और कार्य में समान हैं

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(2) अंगों का समूह जो उत्पत्ति और कार्य में समान हैं

(3) कोशिकाएँ जो कार्य में समान हैं लेकिन उत्त्पत्ति में नहीं हैं

(4) कोशिकाओं का समूह जो उत्पत्ति और कार्य में समान नहीं हैं

Q.39 स्थूलकोणोंतक यांत्रिक ऊतक का प्रकार है लेकिन यह दृढ़ ऊतक की तरह प्रभावशाली नहीं है, फिर भी इसका कुछ लाभ है, जैसे–

(1) वृद्धि करते हुए अंग में बाधा पैदा नहीं करता है

(2) इसमें कोशिका भित्ति में सेलूलोज नहीं होता है

(3) लचीला होता है

(4) इसमें वृद्धि की क्षमता होती है, वृद्धि करते हुए अंगों में बाधा पैदा नहीं करता है व लचीला नहीं होता है।

Q.40 यदि जाइलम और फ्लोएम संवहनी बंडलों की समान त्रिज्या पर संयुक्त रूप से स्थित हैं, तो इस प्रकार को जाना जाता है–

(1) संयुक्त (2) खुला (3) अरीय (4) बंद

Q.41 समदारूक पादपों में जाइलम का मुख्य जल संवहन अवयव है ।

(1) वाहिकीय तत्व (2) वाहिका

(3) वाहिनिका (4) जाइलम मृदुतक

एकबीजपत्री एवं द्विबीजपत्री पादपों की शारीरिकी

Q.42 आवर्धत्वक कोशिकाये है ।

(1) जल से भरी या रिक्त, रंगहीन तथा अत्यधिक बड़ी रिक्तिकामय बाह्यत्वचीय कोशिका

(2) प्रोकेरियोटिक कोशिका

(3) यूकैरियोटिक कोशिका

(4) गेंद की तरह की मृदूतक कोशिकायें

Q.43 स्थूलकोणोतकीय अधस्त्वचा मुख्य लक्षण है :

(1) द्विबीजपत्री तने का

(2) एकबीजपत्री तने का

(3) एकबीजपत्री व द्विबीजपत्री तनों का

(4) जलोद्भिद का

Q.44 सामान्यतया वल्कुट कोशिकाओं में अभाव होता है :

(1) क्लोरोफिल का (2) केन्द्रक का

(3) संग्रहित भोजन (4) केन्द्रिका का

Q.45 मूलों में, परिरम्भ से बनती है ।

(1) पार्श्व मूले और कार्क एधा

(2) वल्कुट और मज्जा

(3) जाइलम और फ्लोएम

(4) बाह्यत्वचा और संवहन पूल

Q.46 एकबीजपत्री का लक्षण है :

(1) जालिकावत् शिरा विन्यास युक्त पत्तियाँ

(2) वार्षिक वलय

(3) बीज, जिसमें दो संग्रहित भोजन के गुच्छे हों

(4) भरण ऊतक में बिखरे संवहन पूल

Q.47 एक पदार्थ का अनुप्रस्थ काट, काटने पर उसमें भरण ऊतक में बिखरे संयुक्त, संपार्श्विक, अन्तः आदिदारूक अवर्धी पूल दिखते है, पदार्थ क्या होगा ।

(1) एकबीजपत्री मूल (2) द्विबीजपत्री मूल

(3) एकबीजपत्री तना (4) द्विबीजपत्री तना

Q.48 वल्कुट और मज्जा विभेदित नहीं होती है ।

(1) एकबीजपत्री तना में (2) एकबीजपत्री मूल में

(3) द्विबीजपत्री तना में (4) द्विबीजपत्री मूल में

Q.49 एकबीजपत्री तने के संवहन पूल के क्या लक्षण हैं ।

(1) वर्धी और दृढोत्तक पूलाच्छद द्वारा घिरे हुए

(2) अवर्धी और पूलाच्छद से नहीं घिरे हुए

(3) अवर्धी और पूलाच्छद से घिरे हुए

(4) वर्धी और पूलाच्छद से नहीं घिरे हुए

Q.50 द्विबीजपत्री मूल में ।

(1) एधा के साथ बिखरे संवहन पूल

(2) संवहन पूल वर्धी व एक वलय में व्यवस्थित

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(3) जाइलम और फ्लोएम अरीय

(4) जाइलम हमेशा अन्तः आदिदारूक होता है

Q.51 द्विबीजपत्री मूल पहचानी जाती है ।

(1) बाह्य आदिदारूक जाइलम

(2) 2-6 अरीय संवहन पूल से

(3) > 6 से अधिक अरीय संवहन पूल से

(4) मज्जा व अंतश्त्वचा की अनुपस्थिति

Q.52 पत्ती में प्रोटोजाइलम तथा प्रोटोफ्लोएम की क्रमशः स्थिति होती है ।

(1) अपाक्ष व अभ्यक्ष (2) अभ्यक्ष व अपाक्ष

(3) दोनों अभ्यक्ष (4) दोनों अपाक्ष

Q.53 अधस्त्वचा का कार्य है :

(1) सुरक्षा (2) कठोरता

(3) आधार (4) संग्रहण

Q.54 पत्तियों में संवहन पूल होते हैं ।

(1) द्विसंपार्श्विक एवं वर्धी (2) संपार्श्विक एवं वर्धी

(3) संपार्श्विक एवं अवर्धी (4) अरीय एवं बाह्य आदिदारूक

Q.55 मक्का के तने में उपस्थित अधस्त्वचा होती है ।

(1) मृदूतकीय (2) स्थूलकोणोतकीय

(3) दृढ़ोतकीय (4) विभज्योतकीय

Q.56 पथ कोशिका किसकी अतंस्त्वचा में ज्यादा स्पष्ट नजर आती है ।

(1) द्विबीजपत्री तना (2) एकबीजपत्री तना

(3) द्विबीजपत्री मूल (4) एकबीजपत्री मूल

Q.57 टेरिडोफाइटा व अनावृत्तबीजी के शर्करा स्थानान्तरणकारी अवयव है ।

(1) चालनी कोशिकाएँ (2) चालनी तत्व

(3) चालनी नलिकाएँ (4) जायलम मृदूतक

Q.58 जब प्रोटोजाइलम परिरंभ की ओर उन्मुख हो तो यह स्थिति कहलाती है ।

(1) अन्तःआदिदारूक (2) मध्यादिदारूक

(3) बाह्यआदिदारूक (4) बहुआदिदारूक

Q.59 बाह्यत्वचीय कोशिका भित्तियों में पाया जाने वाला वसीय पदार्थ है ।

(1) क्यूटिन (2) सुबेरिन

(3) मोम (4) 2 व 3 दोनों

Q.60 कोशिकाओं की परत जो अतंस्त्वचा और संवहन पूल के मध्य रहती है वह है ।

(1) वल्कुट (2) मज्जा

(3) परिरंभ (4) बाह्य मूलत्वचा

Q.61 अन्तःपूलीय एधा–

(1) एक साधारण स्थायी ऊतक है

(2) विभज्योतक ऊतक है

(3) एक जटिल स्थायी ऊतक है

(4) द्वितीयक विभज्योतक है

Q.62 कैस्पेरियन पट्टी पायी जाती है: –

(1) बाह्यत्वचा (3) अंतस्त्वचा

(3) अंतःस्थीसियम (4) अंतःस्तर

Q.63 एक द्विबीजपत्री मूल में, परिरभ को जन्म देता है–

(1) पार्श्व मूलें (2) कॉर्क एधा

(3) संवहनी एधा का एक भाग

(4) उपरोक्त सभी

Q.64 आवृतबीजी में चालनी प्लेटें हैं –

(1) तिर्यक और पार्श्व भित्ति में

(2) गर्तीय और अंत की भित्ति में

(3) तिर्यक और अंत भित्ति में

(4) सीधी और पार्श्व भित्ति में

Q.65 अन्तःपूलीय (Intrafascicular) एधा स्थित होती है।

(1) संवहन पूलों के मध्य

(2) संवहन पूलों के जाइलम एवं फ्लोएम के मध्य

(3) संवहनी पूलों के बाहर

(4) मज्जा में

Q.66 निम्न में से कौनसा कथन एकबीजपत्री के संदर्भ में गलत है ?

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(1) तने में संवहनी पूल दृढोत्तकीय पूलाच्छद से घिरे होते है, एवं जाइलम में जलगुहा युक्त होते है।

(2) पत्तियों में उपरी और निचले दोनों बाह्यत्वचा में मोटर कोशिकाऐं होती है जो शुष्कन के दौरान पर्ण कुंचन में सहायता करती है।

(3) मूल द्विबीजपत्री की तुलना में अधिक मज्जा युक्त होती है।

(4) पत्तियाँ उभयरंध्री होती है।

Q.67 बाह्यत्वचा में रंध्र अनुपस्थित होते हैं:

(1) पत्ती (2) तना (3) शाखा (4) मूल

Q.68 कौन सा कथन सही है?

(1) फ्लोएम द्वारा जैविक खाद्य गति में वृद्धि

(2) फ्लोएम द्वारा जैविक खाद्य गति ऊपर और नीचे

(3) जाइलम द्वारा जैविक खाद्य गति ऊपर और नीचे

(4) उपरोक्त सभी

Q.69 निम्नलिखित में से कौन सा कथन जाइलम के बारे में गलत नहीं है?

(1) वाहिकाऐ सभी संवहनी पादपों में पाई जाती हैं

(2) एकबीजपत्री में जाइलम मृदूतक की कमी नहीं होती है

(3) वाहिनिका उत्पत्ति में बहुकोशिकीय होते हैं

(4) ये सभी पुष्पोद्भिद के युग्मकोद्भिद में हमेशा पाए जाते हैं

Q.70 मज्जा किसमें सुविकसित होती है।

(1) केवल द्विबीजपत्री मूल

(2) एकबीजपत्री स्तंभ

(3) एकबीजपत्री मूल और द्विबीजपत्री स्तंभ

(4) द्विबीजपत्री स्तंभ और द्विबीजपत्री मूल

Q.71 वृक्षों में, जीवद्रव्य की मृत्यु एक महत्वपूर्ण कार्य के लिए आवश्यक है जैसे:

(1) खाद्य परिवहन

(2) जल परिवहन

(3) (1) और (2) दोनों

(4) रध्रीय गति

Q.72 व्यवस्थित कोशिका के क्रम को पहचाने जो उनकी सामान्य अनुधैर्य भित्ति के मध्य गर्त क्षेत्र से संयोजित है।

(1) सहायक कोशिका और फ्लोएम तंतु

(2) सहायक कोशिका और चालनी नलिका

(3) चालनी कोशिका और एल्ब्यूमिनस कोशिका

(4) चालनी नलिका और फ्लोएम तंतु

Q.73 बढ़ते मौसम के अंत में पुरानी चालनी नलिकाओं में, शर्करा परिवहन को विनियमित करने के लिए निम्न में से कौन चालनी प्लेट पर जमा हो जाता है:

(1) पी–प्रोटीन (2) कैलोस

(3) लिग्निन (4) सुबेरिन

Q.74 अंतराकोशिकीय अवकाश के साथ मृदुत्तकीय संरचना है:

(1) बाह्यत्वचा (2) अंतस्त्वचा

(3) वल्कुट (4) परिरम्भ

Q.75 प्ररोह तंत्र में त्वचारोम के संदर्भ में गलत लक्षण का चयन कीजिए।

(1) सामान्यतः एककोशिकीय

(2) शाखित या अशाखित

(3) स्रावी हो सकता है

(4) नरम या कठोर

Q.76 मूलों का परिरम्भ कभी भी दृढ़ोतकीय नहीं होता है क्योंकि–

(1) मूल में यांत्रिक ऊतक के रूप में कार्य नहीं करता है

(2) मूल शाखाओं की उत्पत्ति का स्थान है

(3) मूलरोमों को उत्पन्न करता है

(4) मूलरोमों को उत्पन्न करता है (जब मूल युवा अवस्था में), और मूल शाखाओं को (परिपक्व होने पर)

Q.77 ऊत्तक सामान्यतः निष्क्रिय बिन्दु या जैविक चैक पोस्ट जाना जाता है ये किसकी विशेषता है

(1) बुलिफॉर्म कोशिकाएं और रैफाइड्स

(2) सिस्टोलिथ और मोटर कोशिका

(3) कैस्पेरियन बैंड और मार्ग कोशिका

(4) मार्ग कोशिकाएं और वसा

Q.78 पार्श्व मूलो की उत्पत्ति तथा कॉर्क कैंबियम का निर्माण किसका लक्षण है?

(1) बाह्यत्वचा (2) परिरम्भ

(3) अधस्त्वचा (4) मज्जा किरणे

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

ANSWER KEY

PRACTICE SECTION-01

Que.	1	2	3	4	5	6	7	8
Ans:	3	3	1	2	2	1	3	3

PRACTICE SECTION-02

Que.	1	2	3	4	5	6	7	8
Ans:	3	4	1	3	4	2	3	4

TOPIC WISE QUESTIONS

Que.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
Ans.	4	3	3	3	3	1	3	3	1	1	1	2	1	4	2
Que.	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
Ans.	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3	2	3	1	2	4
Que.	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**	**41**	**42**	**43**	**44**	**45**
Ans.	2	2	2	2	1	4	1	1	3	1	1	1	1	1	1
Que.	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**	**51**	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
Ans.	4	3	1	3	3	2	2	3	3	3	4	1	3	1	3
Que.	**61**	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**	**71**	**72**	**73**	**74**	**75**
Ans.	2	2	4	3	2	2	4	2	2	3	2	2	2	3	1
Que.	**76**	**77**	**78**												
Ans.	2	3	2												

RANKER'S STUFF

Que.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
Ans.	4	3	4	1	4	4	1	2	1	1	4	1	4	4	2
Que.	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	
Ans.	2	3	1	2	4	1	3	4	2	3	2	2	4	4	

NEET-FLASHBACK

Que.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
Ans.	2	2	1	3	2	3	2	1	1	1	1	3	2	3	2
Que.	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
Ans.	4	1	3	2	4	1	3	2	3	2	2	1	1	2	4
Que.	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**	**41**	**42**			
Ans.	2	4	2	4	4	3	4	1	3	4	1	3			